



कक्षा: 10वीं, अर्थशास्त्र (सामाजिक अध्ययन) पाठ: 2 विकास और उसका मापन



(क) धनी व्यक्ति:

रिक्त स्थान भरें:-

- (i) सतत विकास की अवधारणा पहली बार 1980 के दशक में पेश की गई थी। _____
- (ii) आर्कटिक के लिए राष्ट्रीय आय अनिश्चित काल तक बढ़नी चाहिए। _____
- (iii) प्रति व्यक्ति आय किसी व्यक्ति की औसत आय से कम है। _____
- (iv) 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में शिशु मृत्यु दर 44 थी। _____
- (v) 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या 943 थी। _____
- (vi) 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में साक्षरता दर 74.04% थी। _____
- (vii) जीवन का भौतिक गणित सूचकांक मौरिस डी. मॉरिस द्वारा विकसित किया गया था। _____
- (viii) जीवन के भौतिक और गणितीय विकास के 3 संकेतकों में से 3 (औसत जीवन प्रत्याशा, जन्म दर, बुनियादी साक्षरता दर) _____
माप का उपयोग करता है।
- (ix) मानव विकास सूचकांक 1990 में एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अंतर्गत विकसित किया गया था। _____
- (x) मानव विकास सूचकांक स्कोर 3 (औसत जीवन प्रत्याशा, सामाजिक सुरक्षा प्राप्ति सूचकांक स्कोर, वास्तविक प्रति व्यक्ति _____
हर घरेलू उत्पाद में माप का उपयोग किया जाता है।

बहुविकल्पीय विकल्प

- (i) निम्नलिखित में से किसे आर्थिक विकास में शामिल किया जाता है?
 (क) मात्रात्मक समानता (b) गणितीय तर्क
 (c) A और B दोनों (एस) जीवन चरण

उत्तर- A और B दोनों।

- (ii) नौ वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर का कितना हिस्सा शिशु मृत्यु दर में शामिल है?

(क) 1 वर्ष (बी) 2 वर्ष (सी) 3 वर्ष (एस) 4 वर्ष

उत्तर - 1 वर्ष

(iii) जीवन की भौतिक गुणवत्ता सूचकांक का निर्माण किसने किया?

- (a) मोटर्स D. मोटर्स
- (बी) शून्य-दिन विकास कार्यक्रम
- (ग) धूम्रपान करने वाले लोगों की संख्या अज्ञात है।
- (एस) शून्य-राशि निधि

उत्तर- मौरस डी. मौरस

(iv) 2021 में मानव विकास सूचकांक स्कोर में भारत का रैंक क्या था?

- (ए) 129
- (बी) 130
- (सी) 131
- (एस)132

उत्तर- 132

(v) केरल में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाली जनसंख्या का अनुपात कितना है?

- (ए) 6.05%
- (बी) 7.00%
- (सी) 7.05%
- (एस) 7.10%

उत्तर:- 7.05%

(vi) 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की कितनी प्रतिशत जनसंख्या गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रही थी?

- (ए) 20.9%
- (बी) 21.9%
- (सी) 22.9%
- (एस)23.9%

उत्तर:- 21.9%

(vii) मातृ मृत्यु दर से तात्पर्य प्रसव के दौरान माताओं की मृत्यु की दर से है।

- (ए) 1000
- (बी) 10000
- (सी) 100000
- (एस)100000

उत्तर:- 100000

सत्य/असत्य:

- (i)अभिव्यक्ति एक दीर्घकालिक प्रक्रिया है। (सही)
- (ii) आर्कटिक विस्तार और आर्कटिक संकुचन समानार्थी हैं। (गलत)
- (iii) सकल घरेलू उत्पाद आर्थिक विकास का एक अच्छा माप है। (सही)
- (iv) सतत विकास शब्द का सबसे महत्वपूर्ण प्रयोग विश्व संरक्षण रणनीति में किया गया था। (सही) (v) प्रति व्यक्ति आय किसी देश के सभी निवासियों की औसत आय से कम होती है। (सही)
- (vi) जीवन का भौतिक और गणितीय सूचकांक विकास कार्यक्रम के सबसे छोटे संभव योग से निर्मित किया गया था। (गलत)
- (vii) मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) केवल आय-आधारित संकेतकों को कवर करता है। (गलत)
- (viii) गरीबी रेखा से नीचे आने वाली आबादी के मामले में पंजाब ने तिवारी से बेहतर प्रदर्शन किया है। (सही)
- (ix) "तिवार" शब्द का प्रयोग गाँव की महिलाओं के लिए किया जाता है। (गलत)
- (x) साक्षरता दर में पुंजा और तिवारी राज्यों का प्रदर्शन केरल से बेहतर है। (सही)

बहुत संक्षिप्त उत्तर देने वाला व्यक्ति:

(i) आर्थिक विकास से क्या तात्पर्य है? आर्थिक

विकास को एक दीर्घकालिक प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसमें किसी देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के साथ-साथ उस देश के लोगों के जीवन स्तर में सुधार होता है। (ii) आर्थिक संवृद्धि से क्या तात्पर्य है? आर्थिक संवृद्धि किसी देश की अर्थव्यवस्था में होने वाला एकमात्र मात्रात्मक परिवर्तन है।

यह केवल अधिक वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के बारे में है। (iii) सतत विकास

से क्या तात्पर्य है? उत्तर: सतत विकास एक

ऐसी प्रक्रिया है जो पर्यावरण को संरक्षित करते हुए वर्तमान और भावी पीढ़ियों, दोनों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखती है। (iv) राष्ट्रीय आय से क्या तात्पर्य है?

उत्तर: राष्ट्रीय आय किसी देश के निवासियों द्वारा किसी विशेष अवधि के दौरान उनकी उत्पादक सेवाओं के बदले में प्राप्त कुल आय है, जिसमें मजदूरी, ब्याज, किराया और मुनाफा शामिल है। (v) प्रति व्यक्ति आय से क्या तात्पर्य है? उत्तर: प्रति व्यक्ति आय किसी

देश के लोगों द्वारा किसी विशेष अवधि के दौरान

प्राप्त औसत आय है। यह किसी देश की राष्ट्रीय आय को उस देश की जनसंख्या से विभाजित करके ज्ञात की जाती है। (vi) मृत्यु दर से क्या तात्पर्य है?

उत्तर- शिशु मृत्यु दर जीवन के एक (1) वर्ष तक पहुँचने से पहले प्रति 1000 जीवित जन्मों पर मरने वाले शिशुओं की संख्या है।

(vii) लिंगानुपात से क्या तात्पर्य है? उत्तर:

लिंगानुपात प्रति 1000 जनसंख्या पर महिलाओं की संख्या है। (viii) लोगों के जीवन स्तर से क्या तात्पर्य है?

उत्तर: लोगों का उच्च जीवन स्तर अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं, गरीबों के लिए शिक्षा, पूर्ण रोजगार और परिवहन के अच्छे साधनों तक उनकी पहुँच के कारण है।

(ix) PQLI का पूरा नाम क्या है?

उत्तर: जीवन की भौतिक गुणवत्ता सूचकांक। (x) जीवन प्रत्याशा से क्या तात्पर्य है? उत्तर: जीवन प्रत्याशा

जन्म के समय जीवन की संभावना है। यह एक

निश्चित आयु में किसी व्यक्ति के जीने की अपेक्षित आयु के वर्षों की संख्या है।

(xi) साक्षरता दर से क्या तात्पर्य है?

उत्तर- साक्षरता दर जनसंख्या के उस अनुपात को दर्शाती है जिसमें समझने, पढ़ने और लिखने की क्षमता है। यह किसी भी क्षेत्र के लोगों की साक्षरता के स्तर को दर्शाता है।

$$\text{साक्षरता दर} = \frac{\text{शिक्षित और साक्षर लोगों की संख्या} \times 100}{\text{कुल जनसंख्या}}$$

(xii) मानव विकास सूचकांक

(HDI) का पूरा नाम क्या है? उत्तर:-मानव विकास सूचकांक। (xiii) गरीबी रेखा से क्या

तात्पर्य है? उत्तर:-गरीबी रेखा किसी देश

की जनसंख्या का वह हिस्सा है जो अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा नहीं कर सकता और अत्यधिक गरीबी में रहता है।

(xiv) भारत में गरीबी रेखा का निर्धारण कैसे किया जाता है? उत्तर- भारत

में गरीबी रेखा का निर्धारण प्रति व्यक्ति उपभोग के आधार पर किया जाता है। (xv) 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की कितनी

प्रतिशत जनसंख्या गरीबी रेखा से नीचे रहती है? उत्तर- 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की 21.9% जनसंख्या गरीबी रेखा

से नीचे रहती है। (xvi) भारत में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में गरीबी रेखा का निर्धारण करने के लिए, प्रति व्यक्ति उपभोग

व्यय की कौन सी सीमा का उपयोग किया जाता है? उत्तर: योजना आयोग (1962) ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए गरीबी रेखा क्रमशः 20 रुपये

और 25 रुपये प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष तय की है। (xvii)

केरल, पंजाब और बिहार में से कौन सा राज्य प्रति व्यक्ति आय और गरीबी रेखा से नीचे रहने वाली आबादी के मामले में सबसे अच्छा प्रदर्शन कर रहा

है? उत्तर: केरल

(xviii) केरल, पंजाब और बिहार में से कौन सा राज्य लिंगानुपात और साक्षरता दर के आधार पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता है?

अच्छी है?

उत्तर-केरल.

(xix) केरल, पंजाब और बिहार में से कौन सा राज्य शिशु मृत्यु दर के मामले में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता है? उत्तर- केरल। (xx) केरल, पंजाब

और बिहार में से

कौन सा राज्य मातृ मृत्यु दर के मामले में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता है? उत्तर- केरल।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(1) आर्थिक वृद्धि और आर्थिक विकास के बीच अंतर स्पष्ट करें।

उत्तर: आर्थिक विस्तार और आर्थिक विकास के बीच अंतर।

सीरीयल नम्बर।	आर्थिक विकास	आर्थिक विकास
1.	यह एकतरफा अवधारणा है।	1. यह एक व्यक्तिपरक अवधारणा है।
2.	इस समय केवल एक देश ही प्रभावित है। मात्रात्मक अंतरों का सारांश दिया गया है।	2. यह किसी देश का मात्रात्मक और गुणात्मक अध्ययन है। दोनों प्रकार के विवादों का समाधान हो जाता है।
3.	इस अवधारणा का प्रयोग सात देशों के लिए किया गया है। मैं निकल रही हूँ।	3. विकसित और विकासशील दोनों देशों के लिए इस अवधारणा का उपयोग यह किया जाता है।
4.	आर्थिक विस्तार आर्थिक विस्तार का परिणाम नहीं है। मैं कर सकता हूँ।	4. आर्थिक विस्तार और आर्थिक विस्तार के साथ एक नया चरण अवश्य आना चाहिए। ऐसा होना भी चाहिए। देश में सकारात्मक बदलावों की संख्या बढ़ रही है। यदि हम ऐसा करना चाहते हैं तो हमारे पास अधिक धन और आर्थिक विकास होना चाहिए।

(2) सतत विकास का क्या अर्थ है? यह क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर: सतत विकास एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें पर्यावरण के संरक्षण के साथ-साथ वर्तमान और भविष्य का एकीकरण शामिल है।

इसमें दोनों पीढ़ियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखा गया है।

सतत विकास की आवश्यकता - वर्तमान समाज सतत विकास की आवश्यकता को तेजी से महसूस कर रहा है। इसलिए, निम्नलिखित लिखा गया है:

इसका कारण यह है कि यह महत्वपूर्ण है-

1. पर्यावरण प्रदूषण को रोकना।
2. जैविक विविधता की अखंडता को बनाए रखना और विश्व के जीवित प्राणियों की विविधता को संरक्षित करना।
3. वर्तमान और भावी पीढ़ियों के जीवन इतिहास को संरक्षित करना।
4. विश्व की वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों को नकारात्मक प्रभावों से बचाना।
5. संसाधनों के असमान वितरण की समस्या का समाधान करना।

(3) सतत विकास की आवश्यकता पर एक नोट लिखें?

उत्तर: इस समय हम वैश्विक मंदी के अंतिम चरण में हैं। आइए, खुद को परखें।

और अपने कुल घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के लालच में, हमने ऐसी नीतियां बनायीं जो हमारी अर्थव्यवस्था से जुड़ी हुई हैं।

हाँ। इन सभी नीतियों ने हमारे पर्यावरण को प्रतिकूल बना दिया है। संक्षेप में, हम जो बोएँगे, वही काटेंगे।

हमने अपनी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी नुकसान पहुंचाया है। वर्तमान पीढ़ी

यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी भावी पीढ़ियों के लिए स्वस्थ और समृद्ध वातावरण उपलब्ध कराएं।

आज विकास के नाम पर हम वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, जल संकट, जलवायु परिवर्तन, कोयले और पेट्रोलियम उत्पादों की कमी का सामना कर रहे हैं, लेकिन वर्तमान समय में न केवल अर्थव्यवस्था को विकसित करने की आवश्यकता है, बल्कि विकास की गति को भी धीमा करने की आवश्यकता है ताकि विकास का लाभ न केवल वर्तमान पीढ़ी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी मिल सके। इसी विचार ने सतत विकास की अवधारणा की ओर भी ध्यान आकर्षित किया है। (4) राष्ट्रीय आय के माप का उपयोग करके हम आर्थिक विकास को कैसे माप सकते हैं? उत्तर: लगभग सभी अर्थशास्त्री मानते हैं कि आर्थिक विकास का आधार किसी देश की राष्ट्रीय आय होनी चाहिए। यदि किसी देश की राष्ट्रीय आय बढ़ती है, तो इसका अर्थ है कि उस देश के आर्थिक विकास का स्तर ऊँचा होगा।

यदि किसी देश की राष्ट्रीय आय कम है, तो इसका मतलब है कि उस देश के आर्थिक विकास का स्तर कम है। इसका कारण यह है कि जिस देश की राष्ट्रीय आय अधिक होती है, वह अपने विकास पर अधिक धन खर्च कर सकता है और विकास के उच्च स्तर को प्राप्त कर सकता है और दूसरी ओर, जिस देश की राष्ट्रीय आय कम होती है, वह अपने विकास पर कम खर्च कर सकता है और जिसके कारण उसके विकास का स्तर कम होगा। (5) हम प्रति व्यक्ति आय के माप का उपयोग करके आर्थिक विकास को कैसे माप सकते हैं?

उत्तर- लोगों का जीवन स्तर लोगों को उपलब्ध वस्तुओं और सेवाओं की मात्रा पर निर्भर करता है। यह वास्तविक आय उनकी प्रति व्यक्ति आय पर निर्भर करती है। प्रति व्यक्ति आय किसी देश के लोगों की औसत आय मात्र है, इसका मतलब यह नहीं है कि उस देश के सभी लोगों की आय भी उस औसत आय के बराबर है। इसलिए, यदि किसी देश में आय में असमानताएं हैं, तो उस देश पर विचार नहीं किया जाएगा। उदाहरण के लिए, यदि भारत की राष्ट्रीय आय ₹1000 है और भारत की जनसंख्या 100 लोग हैं,

अतः यह कहा जा सकता है कि भारत के लोगों की प्रति व्यक्ति आय में ₹10 की वृद्धि होगी। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि भारत के सभी लोगों की प्रति व्यक्ति आय ₹10 है। यह केवल औसत आय है। यदि उस देश के अमीर लोगों को इस आय का बड़ा हिस्सा मिल रहा है और गरीब लोगों को इस आय का एक छोटा हिस्सा मिल रहा है, तो इसे उस देश की आर्थिक वृद्धि नहीं कहा जा सकता है। (6) विकास दर के माप का उपयोग करके हम आर्थिक विकास को कैसे माप सकते हैं? उत्तर- शिशु मृत्यु दर को

आर्थिक विकास का एक सामाजिक संकेतक माना जा सकता है क्योंकि यह हमें बताता है कि किसी देश की सामाजिक संरचना कितनी अच्छी है, खासकर उस देश की स्वास्थ्य प्रणाली। इसे प्रति 1000 जीवित जन्मों पर जीवन का एक वर्ष पूरा होने से पहले मरने वाले शिशुओं की संख्या से मापा जाता है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट (2022) के अनुसार, दुनिया में शिशु मृत्यु दर 27.695 थी (7) लिंगानुपात माप का उपयोग करके हम आर्थिक विकास को कैसे माप सकते हैं? उत्तर- लिंगानुपात भी आर्थिक विकास का एक सामाजिक माप है। इसकी गणना 1000 वर्ष पहले जन्मी महिलाओं की संख्या से की जाती है। आमतौर पर, अविकसित देशों में लिंगानुपात काफी कम होता है। ये देश

इन देशों में महिलाओं की स्थिति दयनीय है। इसका कारण इन देशों में पाई जाने वाली अशिक्षा, महिलाओं के प्रति निम्न स्तर की सोच और लोगों में जागरूकता की कमी है। इन सब कारणों से इन देशों में महिलाओं की शिक्षा को महत्व दिया जाता है। इसी वजह से विकसित देशों में लैंगिक अंतर काफी अधिक है। इसलिए इस माप का उपयोग किसी देश के आर्थिक विकास को मापने के लिए भी किया जा सकता है। (8) लोगों के जीवन स्तर के माप का उपयोग करके हम आर्थिक विकास को कैसे माप सकते हैं? उत्तर- दरअसल, आर्थिक विकास का मुख्य उद्देश्य लोगों के जीवन स्तर को बढ़ाना है। इसलिए इस माप का उपयोग आर्थिक विकास को मापने के लिए भी किया जा सकता है। इस आधार पर, यदि किसी देश के लोगों का जीवन स्तर ऊँचा है और वे जीवन की सभी सुविधाओं का आनंद ले रहे हैं, तो वह देश विकसित देश कहलाएगा। वहीं दूसरी ओर, कम विकसित देशों में लोगों का जीवन स्तर बहुत नीचा होता है और उनके पास जीवन की कम सुविधाएं होती हैं, जिसके कारण उन देशों को कम विकसित देश कहा जाता है। इसलिए, इस सूचक के आधार पर किसी देश के आर्थिक विकास के स्तर का निर्धारण किया जा सकता है। (9) जीवन की भौतिक गुणवत्ता सूचकांक से क्या तात्पर्य है? आर्थिक विकास को मापने के लिए इसके द्वारा किन संकेतकों का उपयोग किया जाता है?

उत्तर: जीवन के भौतिक संकेतकों से किसी देश के लोगों के जीवन की गुणवत्ता निर्धारित करना। आर्थिक विकास को मापने के लिए जीवन के भौतिक संकेतकों और निम्नलिखित संकेतकों का उपयोग किया जाता है- 1. औसत जीवन प्रत्याशा - यह किसी देश के लोगों की औसत आयु है, उस देश के लोगों की जीवन प्रत्याशा कितनी लंबी है? यह उपाय सीधे किसी देश के आर्थिक विकास से संबंधित है। जैसे-जैसे किसी देश के लोगों की औसत जीवन प्रत्याशा बढ़ती है, जीवन प्रत्याशा सूचकांक का मूल्य भी बढ़ेगा और जैसे-जैसे किसी देश के लोगों की औसत जीवन प्रत्याशा घटती है, जीवन प्रत्याशा सूचकांक का मूल्य भी घटेगा। 2. शिशु मृत्यु दर-शिशु मृत्यु दर प्रति 1000 जीवित जन्मों पर जीवन प्रत्याशा का एक वर्ष पूरा करने से पहले मरने वाले शिशुओं की संख्या है। यह संकेतक जीवन प्रत्याशा सूचकांक से निकटता से संबंधित है। जैसे-जैसे शिशु मृत्यु दर बढ़ती है, जीवन प्रत्याशा सूचकांक घटता है और जैसे-जैसे शिशु मृत्यु दर घटती है, जीवन प्रत्याशा सूचकांक बढ़ता है। इसे आमतौर पर प्रतिशत के रूप में मापा जाता है। (10) मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) का क्या अर्थ है? आर्थिक विकास को मापने के लिए इसमें किन संकेतकों का उपयोग किया जाता है?

उत्तर: मानव विकास सूचकांक किसी देश के आर्थिक विकास को मापने वाला एक और महत्वपूर्ण पैमाना है, जिसे जीवन की भौतिक गुणवत्ता के माप के रूप में स्वीकार किया जाता है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण कारक यह है कि किसी देश के आर्थिक विकास को मापते समय, यह न केवल गैर-आय-आधारित संसाधनों पर बल्कि आय-आधारित संसाधनों पर भी विचार करता है। मानव विकास सूचकांक के मापन- 1. जीवन प्रत्याशा- यह जन्म के समय से औसत जीवन प्रत्याशा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि एक नवजात शिशु के कई वर्षों तक जीवित रहने की उम्मीद होती है।

2. मानव विकास सूचकांक स्कोर : यह किसी देश के लोगों के विकास के स्तर पर आधारित होता है। इस माप के दो आयाम हैं:-

1. कुल साक्षरता दर 2. कुल नामांकन अनुपात

3. वास्तविक प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद - यह वस्तुओं और सेवाओं की वह मात्रा है जिसका लोग अपने देश में उपभोग करते हैं।
मौद्रिक आय से खरीदा जा सकता है।

(11) कुल नामांकन अनुपात से क्या तात्पर्य है? इसके भागों का वर्णन कीजिए।

कुल नामांकन अनुपात उन छात्रों की संख्या है जिन्होंने विभिन्न स्तरों जैसे प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च ...

छात्र माध्यमिक और उच्चतर स्तर पर नामांकन कराते हैं। प्राथमिक विद्यालय

पहली है 5वीं कक्षा की परीक्षा, दूसरी है 10वीं कक्षा की परीक्षा, और तीसरी है कॉलेज और विश्वविद्यालय की परीक्षा।

कुल नामांकन अनुपात निर्धारित करने के लिए, समान स्तर पर नामांकित सभी अभ्यर्थियों की गणना की जाती है।

किया जाएगा, उनकी संख्या को जोड़ा जाएगा और पूरे देश की जनसंख्या से विभाजित किया जाएगा।

यह पता लगाया जा सकता है:-

$$\text{कुल नामांकन अनुपात} = \frac{\text{शिक्षा के प्रत्येक स्तर में प्रवेश करने वाले छात्र X 100}}{\text{देश की सम्पूर्ण बाल जनसंख्या की रक्षा करें।}}$$

देश की सम्पूर्ण बाल जनसंख्या की रक्षा करें।

(12) आय आधारित संकेतकों के आधार पर केरल, पंजाब और बिहार के आर्थिक विकास के स्तर की तुलना करें।

उत्तर: आय-आधारित संकेतकों में दो प्रकार के संकेतक शामिल हैं:-

1. प्रति व्यक्ति आय - प्रति व्यक्ति आय किसी व्यक्ति की औसत आय होती है। यह किसी देश की आय से निर्धारित होती है।

किसी देश की राष्ट्रीय आय को उस देश की जनसंख्या से भाग दिया जाता है। यदि प्रति व्यक्ति आय का मान है

यदि प्रति व्यक्ति आय का मूल्य बढ़ता है, तो लोगों का जीवन स्तर ऊंचा होगा। यदि प्रति व्यक्ति आय का मूल्य घटता है, तो लोगों का जीवन स्तर निम्न होगा।

आरामदायक।

सूचक	राज्य		
	केरल	पंजाबी	वसंत
TIKAS का आय-आधारित सूचकांक			
प्रति व्यक्ति आय	50146	44769	12090

इस आधार पर हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि केरल और पंजाब राज्यों की प्रति व्यक्ति आय औसत से अधिक है।

2. गरीबी रेखा से नीचे की जनसंख्या - गरीबी रेखा से नीचे का अनुपात किसी देश की जनसंख्या का वह हिस्सा है जो

वे अपनी बुनियादी ज़रूरतें पूरी नहीं कर पाते और अत्यधिक गरीबी में जीवनयापन करते हैं।

सूचक	राज्य		
	केरल	पंजाब	बिहार
TIKAS का आय-आधारित सूचकांक			
गरीबी रेखा से नीचे जनसंख्या घनत्व	7.05%	8.26%	33.74%

इस आधार पर हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि केरल और पंजाब राज्यों में अश्वेतों के बीच गरीबी का अंतर अधिक है।

(13) गैर-आय आधारित संकेतकों के आधार पर केरल, पंजाब और बिहार के आर्थिक विकास के स्तर की तुलना करें।

उत्तर:- गैर-आय आधारित संकेतकों में मुख्य रूप से आर्थिक विकास और सामाजिक विकास संकेतक शामिल हैं:-

1. लिंग अनुपात:- लिंग अनुपात प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या है।

सूचक	राज्य		
	केरल	पंजाब	राजस्थान
TIKAS के गैर-आय-आधारित संकेतक			
"लुप्त-ग-आन" शब्द का अर्थ है	1084	895	918

इस आधार पर हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि केरल और तिरुवरुर राज्यों की अश्वेत आबादी में कुपोषण की व्यापकता अधिक है।

2. मृत्यु दर - जीवन प्रत्याशा का एक वर्ष पूरा होने के बाद प्रति 1000 जीवित जन्मों पर होने वाली मृत्यु की संख्या।

यह मरने वाले पक्षियों की संख्या से भी बदतर है।

सूचक	राज्य		
	केरल	पंजाब	राजस्थान
TIKAS के गैर-आय-आधारित संकेतक			
इस मृत्यु दर के	12	30	44

आधार पर, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि केरल और पंजाब राज्यों में अश्वेत लोगों में मृत्यु दर अधिक है।

3. मातृ मृत्यु दर - मातृ मृत्यु दर प्रति 1,00,000 जीवित जन्मों पर प्रसव के दौरान माताओं की मृत्यु की दर है।

हाँ।

सूचक	राज्य		
	केरल	पंजाब	राजस्थान
TIKAS के गैर-आय-आधारित संकेतक			
मातृ मृत्यु दर	66	155	219

इस आधार पर हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि केरल और पंजाब राज्यों के अश्वेत समुदायों में मातृ मृत्यु दर अधिक है।

4. साक्षरता दर:- यह जनसंख्या का वह अनुपात है जिसमें समझने, पढ़ने और लिखने की क्षमता है।

सूचक	राज्य		
	केरल	पंजाबी	बसंत
TIKAS के गैर-आय-आधारित संकेतक			
साक्षरता दर	94.00%	75.84%	61.80%

इस आधार पर हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि केरल और पंजाब राज्यों की अश्वेत आबादी में साक्षरता दर कम है।

योगदान: रिचुंदर सिंह (विशेष संसाधन व्यक्ति, सामाजिक विज्ञान) एस.सी.ई.आर.डी., पंजाब, राजस्थान कोर (लै. इतिहास) एस.एस.एस. स्कूल छीना बेग, गौडस्प और, गुरदासपुर अउ
मनदीप कोर (एस.एस.टी. एम.एस.) एस.के.एस.एस. स्कूल दखन, लुधियाना।